झारखण्ड सरकार
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन समिति
स्वास्थ्य चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग

प्रेस विज्ञप्ति

सस्ती दवा उपलब्ध कराना गरीबों की सेवा का बेहतर अवसर : प्रधानमंत्री

रांचीः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बृहस्पतिवार 07 जून, 2018 को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से रामगढ़ कुजू के जन औषधि केंद्र संचालक अंजन प्रकाश से बात की और अन्य युवाओं को स्वरोजगार अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। वीडियो कांफ्रेंसिंग में अंजन प्रकाश ने प्रधानमंत्री को बताया कि उन्हें 2017 में केंद्र संचालन करने का अवसर मिला और उनके केंद्र में दूर दराज के गांवों से गरीब और मिडिल क्लास के मरीज दवा खरीदने आते हैं। अंजन ने प्रधानमंत्री को बताया कि उनकी बिक्री दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। अभी उनके पास पांच सौ से ज्यादा किस्म कि दवाईयां हैं और वो सर्जिकल आइटम्स भी रखते हैं। प्रधानमंत्री के यह पूछने पर कि आपने पढ़ाई क्या की है, अंजन ने बताया कि वो फार्मासिस्ट है और उन्होंने बी फार्मा की पढ़ाई की है। प्रधानमंत्री ने उनसे पूछा कि पहले आप क्या सोचते थे? नौकरी करने की सोचते थे! इसपर अंजनी ने कहा कि पहले वो नौकरी कर रहे थे पर नौकरी से उन्हें संतुष्टि नहीं थी। उन्होंने कहा कि सेवाभावना के कारण उन्होंने जन औषधि केंद्र संचालन का फैसला किया। प्रधानमंत्री ने पूछा कि केंद्र शुरू करने में, लाइसेंस लेने और अन्य प्रक्रिया में अंजन को कितनी परेशानी आयी? कहीं पैसा तो नहीं देना पड़ा? अंजन ने जवाब दिया कि उन्हें एक सप्ताह के अंदर लाइसेंस मिल गया। प्रधानमंत्री ने कहा कि आप सस्ती दवा बेच रहे हैं तब आपको पुराने दवा दुकानदार परेशान करते होंगे? इसपर अंजन ने जवाब दिया कि उन्हें थोड़ी परेशानी तो होती है पर जब मरीज उनकी दुकान से खुशी खुशी जाते हैं तो उन्हें काफी अच्छा लगता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि कई लोग यह भी अफवाह फैलाते होंगे कि यह सस्ती दवाई है इससे इलाज नहीं होगा, ये बेकार दवाई है। इसपर केंद्र संचालक अंजन ने कहा कि लोग दवा का इस्तेमाल करने के बाद ठीक हो रहे हैं इसलिए उन्हें ज्यादा कुछ बताने की जरूरत नहीं पड़ती। बाद में प्रधानमंत्री ने केंद्र संचलक को ग्राहकों का सम्मेलन करने की सलाह दी। प्रधानमंत्री ने लोगों के बीच इस योजना का प्रचार करने की भी सलाह दी। प्रधानमंत्री ने कहा कि एक गरीब परिवार को महीने में तीन से चार हजार रूपये की बचत हो रही है यह उनके लिए बहुत बड़ी बात है यह उनके लिए जिंदगी बचने जैसा है। अंजन ने प्रधानमंत्री को बताया कि वो गांव गांव में जन औषधि केंद्र में मिलने वाली सस्ती दवा का प्रचार करते हैं। अंजन ने प्रधानमंत्री को बताया कि वो कुछ सहयोगियों को भी अपने केंद्र में जोड़ रहे हैं। आखिरी में प्रधानमंत्री ने कहा कि गरीबों की सेवा के लिए यह काफी अच्छा काम है।

मुख्यमंत्री गंभीर बीमारी योजना के तहत लाभुकों की सूची

- धनबाद जिले की उर्मिला देवी 62 वर्ष (पति रामजवान कुमार) जिनका घुटना प्रत्यारोपण वेलौर सीएमसी में किया गया।
- गानागर राम साव 55 वर्ष (पति स्व प्रसादी साव) जिनका घुटना प्रत्यारोपण असरिफी हॉस्पिटल में किया गया।

- रांची ओरमांझी की जयमणि देवी 62 वर्ष (पति स्व नारायण साहू) जिनका घुटना प्रत्यारोपण रामप्यारी अस्पताल करमटोली में किया गया।
- रांची नवाटांड नरकोपी निवासी रूस्तम अंसारी 62 वर्ष (पिता स्व शेखावत अंसारी) का घुटना प्रत्यारोपण रामप्यारी अस्पताल करमटोली में किया गया।
- कांके की सुनिता देवी 45 वर्ष (पति जय प्रकाश साहू) का घुटना प्रत्यारोपण हिल व्यु बरियातु रांची में किया गया।
- रांची के नामकुम निवासी अनूप श्रीवास्तव 50 वर्ष को रिम्स में स्टेंट लगाया गया।
- रांची के युनिवर्सिटी कॉलोनी निवासी साहदेव (65 वर्ष) को रिम्स रांची में स्टेंट लगाया गया।
- कमलेश पांडेय को रिम्स रांची में स्टेंट लगाया गया।
- डकरा मोहनपुर खलारी निवासी राजेश तुरी को रिम्स रांची में स्टेंट लगाया गया।
- गुमला निवासी किशोर कुमार सिंह (56 वर्ष) को रिम्स में स्टेंट लगाया गया।
- चतरा निवासी मनोज कुमार (45 वर्ष) को जन औषधि केंद्र आवंटित किया गया है।
- जामताड़ा निवासी अजय कुमार (47 वर्ष) को जामताड़ा जिला अस्पताल में जन औषधि केंद्र आवंटित किया गया है।
- रामगढ़ के अंजन प्रकाश (45 वर्ष) को कुजू रामगढ़ में जन औषधि केंद्र प्रदान किया गया है।
- रांची की पूजा कुमारी (40 वर्ष) को रातू रोड में जन औषधि केंद्र प्रदान किया गया है।
- बोकारो निवासी ओम प्रकाश (45 वर्ष) को बोकारो सेक्टर में जन औषधि केंद्र प्रदान किया गया है।
- रांची के शाहनवाज अहमद (46 वर्ष) को इटकी में जन औषधि केंद्र प्रदान किया गया है।

सेंट्रल गवर्नमेंट हेल्थ स्किम (सीजीएचएस) के अंतगर्त झारखंड के अस्पताल जहां घुटना प्रत्यारोपण की सुविधा उपलब्ध है। इस योजना के अंतगर्त लाभुकों को इलाज के लिए 2.5 लाख रूपये तक की सहायता प्रदान की जाती है। हालांकि लाभुक देश भर में कहीं भी अपना इलाज करवा सकते हैं और अस्पताल के खर्च का भुगतान आरटीजीएस के माध्यम से अस्पताल को कर दिया जाता है। गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले (बीपीएल), लाल कार्ड धारक और अन्त्योदय कार्ड धारक को साथ ही साथ 72 हजार रूपये से कम वार्षिक आय वाले रोगियों को इस योजना का लाभ मिलता है। ये योजनाएं मुख्यमंत्री गंभीर बीमारी योजना के तहत आती हैं और लाभुकों का चुनाव सिविल सर्जन स्तर पर किया जाता है।

रांची के अस्पताल जहां घुटना प्रत्यारोपण की सुविधा दी गयी है –
हिल व्यु, रिम्स, अप्पोलो, आलम, जगन्नाथ हॉस्पिटल, रामप्यारी, शिशिर सेवा केंद्र।

सीजीएचएस दर पर रांची के इन अस्पतालों में स्टेंट लगाने की सुविधा उपलब्ध करवायी गयी है–
मेडिका, अप्पोलो, रिम्स, राज हॉस्पिटल, ब्रह्मानंद अस्पताल।

स्टेंट क्या है?

आयुर्विज्ञान में स्टेंट एक कृत्रिम उपकरण को कहा जाता है जो शरीर के प्राकृतिक मार्गध्नाली में रोगग्रस्त प्रवाह अथवा आकुंचन को रोकने के लिये या प्रतिक्रिया देने के लिये प्रयुक्त होता है। इस शब्द का सन्दर्भ अस्थायी रूप से उपयोग की जाने वाली नलिका के रूप में भी होता है।

नोडल ऑफिसर
आई0 ई0 सी0 कोषांग